अध्याय-7

भारत के पड़ोसी देश

(NEIGHBOURING COUNTRIES OF INDIA)

(v) नेपाल (NEPAL)

परिचय

नेपाल भारत का एक पड़ोसी देश है। यहाँ हमें आने-जाने में अन्य देशों की तरह वीजा (अंतरराष्ट्रीय आवागमन आदेश) लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। हमारा यह पड़ोसी देश भारत के उत्तर में अवस्थित है। ग्लोब पर नेपाल 26°20′ से 30°10′ उत्तरी अक्षांश तथा 80°15′ से 88°10′ पूर्वी देशान्तर रेखाओं के बीच देखा जा सकता है। यह देश चारो तरफ स्थल से घिरा है। अतः इसे मध्यस्थ देश भी कहते हैं। नेपाल के उत्तर में तिब्बत (चीन) स्थित है जिसके बीच महान हिमालय दीवार जैसा खड़ा है। अन्य तीन तरफ से भारत के राज्य पड़ते हैं। नेपाल के पूर्व में सिक्किम एवं पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तराखण्ड तथा दक्षिण में बिहार एवं उत्तर प्रदेश राज्य स्थित हैं। मौर्य शासन काल में बौद्ध संस्कृति का मुख्य केन्द्र लुम्बिनी नेपाल में ही स्थित है। यहाँ पर गौतम बुद्ध का जन्म स्थल भी है। नेपाल की राजधानी काठमांडू में भगवान पशुपतिनाथ का मंदिर हिन्दुओं का महान तीर्थस्थल है, जहाँ शिवरात्रि के दिन विशाल मेला का आयोजन होता है। नेपाल का कुल क्षेत्रफल 140797 वर्ग कि॰मी॰ तथा जनसंख्या 2.76 करोड़ (2005 ई.) है।

संरचना एवं स्थलाकृति

हिमालय की उत्पति के साथ ही नेपाल की संरचना का संबंध है। अवसादी चट्टानों के भू-दाब के कारण वलन से बने भूआकृति नेपाल की विशेषता है। यहाँ धरातल के पास मुलायम चट्टान तथा धरातल के नीचे कठोर चट्टानें पाई जाती हैं। अधिकतर पर्वत शिखर आग्नेय तथा परिवर्तित चट्टानों से बनी हैं।

© BSTBPC

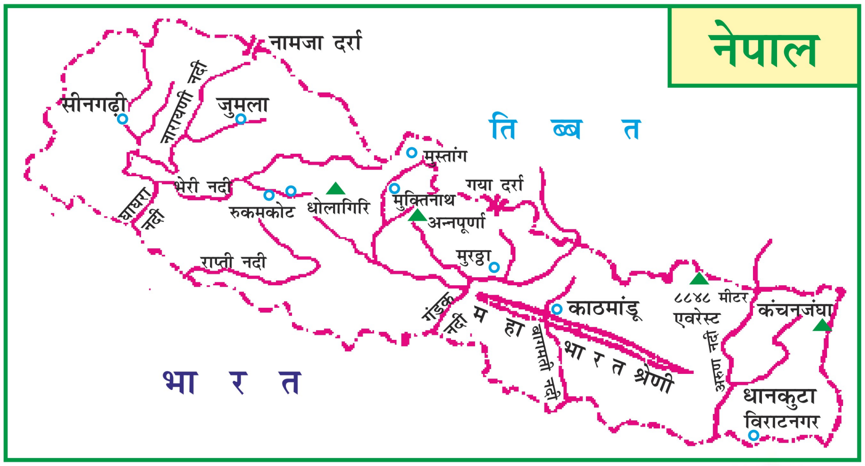

चित्र 7.1 नेपाल-राजनीतिक एवं भौतिक

©BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

स्थलाकृति के आधार पर नेपाल को तीन भागों में विभक्त किया गया है। पहला दक्षिण का उपजाऊ तराई प्रदेश, जो देश के दक्षिण भाग में भारत की सीमा से सटा है। इस भाग की औसत ऊँचाई 300 मीटर है। घने वन एवं लम्बी घासें इस क्षेत्र की विशेषता है। दूसरा, मध्य का पहाड़ी प्रदेश जिसमें महाभारत लेख तथा चुरे की पहाड़ियां सम्मिलित हैं। यह भाग समुद्रतल से 500 से 1500 मीटर तक ऊँचा है। इसमें अनेक घाटी-छोटी पहाड़ियाँ हैं जो शंकुधारी वृक्षों से भरे हैं। इस क्षेत्र के उत्तरी भाग में शिवालिक की पहाड़ी है। यहाँ अनेक घाटियाँ हैं जिसमें काठमाण्डू की घाटी अपने सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। तीसरा भाग हिमालय श्रेणी प्रदेश है। यह प्रदेश नेपाल के उत्तरी भाग पर फैला है। इस क्षेत्र में अनेक ऊँचे-ऊँचे पर्वत शिखर हैं जो पर्वतारोहियों को आकर्षित करते हैं। विश्व का सर्वोच्च शिखर माउण्ट एवरेस्ट जिसकी ऊँचाई 8848 मी॰ है; नेपाल-तिब्बत सीमा पर अवस्थित है। स्थानीय लोग इस चोटी को **'सागर माथा'** के नाम से पुकारते हैं। यहाँ स्थित सभी पर्वत शिखर सालों भर हिमाच्छादित रहते हैं तथा अनेक सदावाहित नदियों का यह जन्म स्थल है। यहाँ की अन्य मुख्य शिखरों में मकाऊ (8463 मी॰), मेजून (7139 मी॰) तथा गौरीशंकर (7134 मी॰) संसार के ऊँचे पर्वतों में अपना स्थान रखते हैं। माउण्ट एवरेस्ट सहित हिमालय श्रेणी साहसिक अभियानों का केन्द्र रहा है तथा पर्वतारोहण के लिए विश्वप्रसिद्ध है। नेपाल के अन्य शिखरों में अन्नपूर्णा, धौलागिरी, नेप्यू मुख्य हैं।

जलवायु विशेषताएँ

नेपाल की जलवायु शीत प्रधान है। यहाँ की जलवायु यहाँ की भूआकृतियों से प्रभावित है। दक्षिण के तराई वाले भाग को छोड़कर सभी स्थानों पर तापमान कम रहता है। क्योंकि 75 प्रतिशत भू भाग की ऊँचाई समुद्रतल से काफी ऊँचा है। काठमाण्डू का तापमान जाड़े में 2° सें. से भी नीचे चला जाता है जबकि गर्मी में 30° सें. तक पहुँच जाता है। यहाँ का वार्षिक औसत तापमान 10° सें० है। यहाँ मार्च से अगस्त तक ग्रीष्म ऋतु तथा सितम्बर से फरवरी तक शीत ऋतु रहता है। गर्मी में मानसूनी हवाओं से नेपाल के पूर्वी भाग में 200 सें०मी० तथा पश्चिम भाग में 100 सें०मी० सालाना वर्षा होती है। जाड़े में देश के उत्तरी भाग में हिमपात होते हैं तथा शीतकालीन चक्रवातीय वर्षा भी होती है।

जल प्रवाह

नेपाल में पूर्व से पश्चिम तीन प्रमुख नदी तंत्र का क्रम में है क्रमशः कोसी, गण्डक तथा घाघरा नदी। यहाँ की सबसे लम्बी नदी **करनाली** है जो घाघरा की सहायक नदी तथा पश्चिमी नेपाल में बहती हुई भारत में प्रवेश करती है। मध्य नेपाल में गण्डक जिसे यहाँ **नारायणी नदी** भी कहते हैं तथा पूर्वी नेपाल में कोसी को **सप्तकोसी** कहते हैं। सभी नदियाँ उत्तर से दक्षिण प्रवाहित होकर भारत की सीमा में प्रवेश करती है। ढालुआँ भूमि होने के कारण इन नदियों में तीव्र प्रवाह होती है जिससे अपरदन की समस्या बनी हुई है, किन्तु जल विद्युत उत्पादन की भारी संभावना प्रदान करती हैं।

मृदा एवं वनस्पति

नेपाल की तराई एवं घाटियों में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है। निचले पर्वतीय ढालों पर लैटेराइट तथा मध्य पर्वतीय प्रदेश में अनउपजाऊ भूरी पॉडजोल मिट्टी पाई जाती है। पर्वतीय प्रदेश की मिट्टियाँ भूक्षरण की समस्या से ग्रस्त हैं।

नेपाल के 25.4 प्रतिशत भूमि पर वन तथा 13 प्रतिशत पर चारागाह फैला है। तराई क्षेत्र में उष्ण कटिबंधीय चीर हरित वन एवं मॉनसूनी वन पाये जाते हैं। सदाबहार चौड़ी पत्ती के वन 1200 से 2400 मी॰ की ऊँचाई तक पाये जाते हैं। इसके ऊपर सदाबहार शंकुधारी

© BSTBPC
© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE REPUBLISHED

वन 2400 से 4000 मी॰ तक पाई जाती है। इसके ऊपर पर्वतीय चारागाह मिलते हैं जहाँ जनसंख्या की वृद्धि के कारण वनों की कटाई ने पर्यावरणीय समस्या उत्पन्न कर दिया है। यहाँ के वनों में हाथी, बाघ, भालू, बंदर, हिरण, खरगोश आदि वन्य जीव पायें जाते हैं। वस्तुतः नेपाल जैविक विविधता का भंडार गृह है।

कृषि

नेपाल में जीवन–निर्वाह कृषि के साथ–साथ पशुपालन भी मुख्य व्यवसाय है। यहाँ 18 प्रतिशत भू–भाग पर खेती होती है। मुख्य खाद्यान्नों में चावल, मक्का, गेहूँ, ज्वार–बाजरा आदि हैं। व्यापारिक फसलों में–जूट, गन्ना, फल, तम्बाकू, चाय तथा कपास मुख्य हैं। देश के कुल कृषि उत्पादन का 70 प्रतिशत भाग अकेले पूर्वी तराई प्रदेश से आता है। काठमाण्डू घाटी में सघन कृषि होती है जिसमें चावल तथा फल और सब्जी की कृषि मुख्य है।

खनन एवं उद्योग तथा अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव

नेपाल में खनिजों का अभाव है। अभ्रक यहाँ मुख्य खनिज है। अल्प मात्रा में लिग्नाइट, ताँबा, कोबाल्ट आदि भी मिलते हैं। शक्ति के साधन के रूप में भारत के सहयोग से देवी घाट जल विद्युत परियोजना चालू किया गया है। यहाँ जल विद्युत विकास की असीम संभावनाएँ हैं किन्तु इसका विकास नहीं के बराबर हुआ है।

औद्योगिक दृष्टि से नेपाल एक पिछड़ा देश है। यहाँ बड़े उद्योगों के स्थापित होने वाले कारकों का अभाव है। यहाँ कृषि एवं वन आधारित उद्योगों का विकास किया जा रहा है। यहाँ सूती वस्त्र, चीनी, जूट, चमड़ा, वनस्पति तेल, तम्बाकू, दियासलाई, कागज तथा लुग्दी इत्यादि का निर्माण होता है। सीमेंट तथा कृषि उपकरण भी बनाये जा रहे हैं। यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य, धार्मिक स्थल तथा पर्वतारोहण सैलानियों को आकर्षित करते हैं। यहाँ पर्यटन उद्योग का तेजी से विकास हो रहा है।

व्यापार

नेपाल का व्यापार खनन् एवं उद्योग में हो रही वृद्धि के कारण नेपाल के विदेश

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

व्यापार और आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रही है। मुख्यतः भारत, बंगलादेश, चीन तथा भूटान के साथ होता है। यहाँ से सूती एवं ऊनी वस्त्र, खाद्य पदार्थ तथा जड़ी-बूटी का निर्यात किया जाता है। भारी मशीनें, बिजली के समान तथा वाहनों का आयात किया जाता है। मध्यस्थ देश होने के कारण पड़ोसी देश को छोड़कर अन्य देशों के साथ व्यापार हेतु इसे भारत के कलकत्ता बन्दरगाह पर निर्भर रहना पड़ता है।

काठमाण्डू देश की राजधानी है तथा सड़क मार्ग द्वारा चीन और भारत से जुड़ा है। चीन के सहयोग से एक सड़क उत्तर में हिमालय पार तिब्बत की सीमा तक जाती है। काठमाण्डू वायु मार्ग द्वारा सभी महादेशों से जुड़ा है तथा यहाँ सभी आधुनिक सुख-सुविधा की वस्तुएँ उपलब्ध हैं। **पोखरा** दूसरा बड़ा नगर है। वहाँ का झील पर्यटकों को आकर्षित करता है। बीरगंज एवं जनकपुर अन्य प्रमुख व्यापारिक नगर है। यहाँ के सभी नगर यातायात एवं संचार माध्यमों द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं।

यहाँ विकास की भरपूर संभावनाएँ हैं। जल विद्युत, खनिज तथा कृषि का विकास आधुनिक तकनीक तथा पड़ोसी देशों के सहयोग से किया जा सकता है। यदि नेपाल में संभावित विकास स्तर प्राप्त हो जाय तब यह देश पूर्व का स्वीट्जरलैण्ड बन सकता है। पिछले 240 वर्षों से नेपाल में राजतंत्र शासन व्यवस्था चली आ रही थी। वहाँ की जनता ने वर्ष 2008 में मतदान के द्वारा राजतंत्र को समाप्त कर आधुनिक लोकतंत्र की नींव रखी है। आज के नेपाल का उदय एक नवीन गणराज्य के रूप में हो चुका है। नेपाल के लोगों को आशा है कि अब नेपाल का चतुर्दिक विकास संभव हो पाएगा।

©BSTBPC WEB COPY, NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. नेपाल की सीमा भारत के किस राज्य से मिलती है ?

(क) अरुणाचल प्रदेश (ख) मणिपुर (ग) सिक्किम (घ) पंजाब

2. महाभारत लेख क्या है ?

(क) पर्वत श्रृंखला (ख) लेखागार (ग) मैदान (घ) राजमहल

3. गंडक नदी को नेपाल में किस नाम से जाना जाता है ?

(क) काली गंडक नदी (ख) नारायणी नदी

(ग) त्रिशुल नदी (घ) कृष्णा नदी

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. नेपाल के सर्वोच्च शिखर का नाम एवं ऊँचाई बतायें।
2. नेपाल की तीन प्रमुख नदियों के नाम लिखें।
3. नेपाल के पड़ोसी देश और सीमावर्ती भारतीय राज्यों का नाम लिखें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. नेपाल की अर्थव्यवस्था का विवरण दीजिए।
2. नेपाल की जलवायु, मृदा और जलप्रवाह का वर्णन कीजिए।
3. नेपाल की अर्थव्यवस्था पर उद्योगों के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य (परियोजना कार्य)

1. एटलस की सहायता से नेपाल का मानचित्र बनाएं तथा उसपर नेपाल के प्रमुख पर्वत शिखरों और औद्योगिक केन्द्रों को दिखायें।

© DSTRPC WEB COPY NOT TO BE REPUBLISHED

(ब) भूटान

(BHUTAN)

परिचय

भूटान भारत का प्रमुख पड़ोसी देश है। यह एक पर्वतीय देश है जो पूर्वी हिमालय के मध्य अवस्थित है। भूटान 26° 45' एवं 28° 20' उत्तरी अक्षांश तथा 89° 45' एवं 92° 05' पूर्वी देशान्तर के मध्य विस्तृत है। भूटान का क्षेत्रफल 46,500 वर्ग किलोमीटर है। भूटान के उत्तर में चीन (देश), पूर्व में अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण में असम तथा पश्चिम में सिक्किम स्थित है। ये सभी भारत के राज्य हैं। भूटान चारों ओर थल से घिरा हुआ है। भूटान की राजधानी **थिम्फू** है।

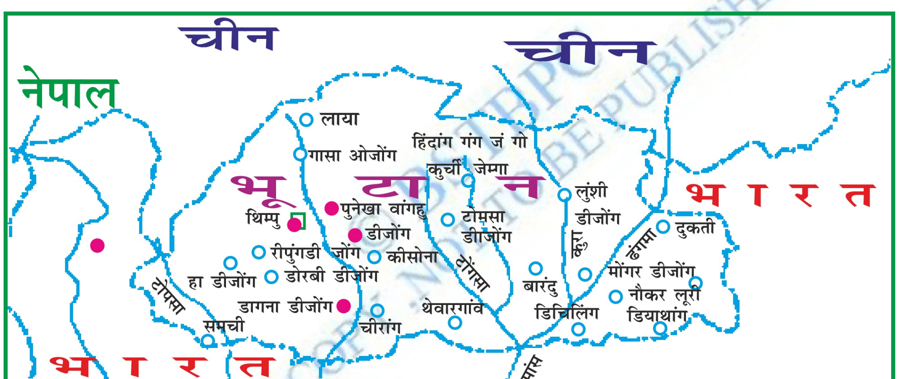

चित्र 7.2 भूटान

WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

स्थलाकृति- भूटान के दक्षिणी किनारे पर लगभग 16 किलोमीटर चौड़ी मैदानी पट्टी है जिसको **द्वार** कहते हैं। द्वार प्रदेश जो 600 मीटर तक ऊँची एक संकरी पट्टी है। मैदान के उत्तर में निचले हिमालय पर्वत हैं जिनकी ऊँचाई 1500 से 3000 मीटर के बीच है। इन पर्वतमालाओं के उत्तर में ग्रेटर हिमालय है। जिसकी भूटान में सर्वाधिक ऊँचाई 7,574 मीटर है।

जलवायु एवं वनस्पति- भूटान की जलवायु पर्वतीय मॉनसूनी है। यहाँ तापमान पर ऊँचाई का स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। वर्ष भर कठोर सर्दी पड़ती है। जनवरी का औसत तापमान 4° सें.मी. तथा जुलाई का 17° सें.मी. रहता है। वर्षा 185 सें०मी० से अधिक मई से सितंबर के मध्य होती है। वार्षिक वर्षा का औसत 250 सें.मी. होता है।

क्या आप जानते हैं ?

भूटान की जलवायु किस प्रकार की है ? यदि तुम्हारे परिवार से अथवा पड़ोस से कोई व्यक्ति भूटान गये हों तो अपने पुस्तक के अलावे उनसे भी जानकारी एकत्रित करो।

मैदानी भाग द्वार की जलवायु उष्ण कटिबंधीय है जिसमें जनवरी का महीना ठंडा होता है। लगभग 1050 मीटर से 2250 मीटर ऊँचे पर्वतीय प्रदेश में जलवायु शीतोष्ण है। देश की अधिकतर जनसंख्या इसी प्रदेश में निवास करती है। इससे अधिक ऊँचाईवाले भागों की जलवायु बहुत ठंडी है और वे प्राय: बर्फ से ढँके रहते हैं। इन ऊँचे पठारी भागों में बहुत कम लोग निवास करते हैं तथा प्राकृतिक वनस्पति भी नाममात्र का है।

पर्वतों के दक्षिणी ढलानों पर अधिक वर्षा होती है और 500 से 750 सें० मी० तक रिकार्ड की जाती है। जलवायु के अनुरूप ही वनस्पति का कटिबंधीय वितरण पाया जाता है। द्वार प्रदेश में चौड़ी पत्ती के उष्ण कटिबंधीय वन, 1200–2200 मीटर के मध्य चीड़ के वन, 1500–3000 मीटर के मध्य चीड़, ओक, मेपल, पोपलर, वालनट आदि तथा इससे अधिक ऊँचाई पर फर, बर्च आदि किस्म की वनस्पति मिलती हैं। यहाँ के कुल क्षेत्रफल के 68 प्रतिशत भाग पर वन पाये जाते हैं।

© BSTBPC
NOT TO BE REPUBLISHED

कृषि— यहाँ की 10% से भी कम भूमि पर कृषि कार्य की जाती है। कृषि कार्य नदियों की आंतरिक घाटियों एवं मध्यम ढालों पर होती है। दक्षिणी–पश्चिमी भाग में कृषि अधिक विकसित है। पूर्वी भाग में स्थानांतरण कृषि होती है। फसलों का उत्पादन ढाल व ऊँचाई के अनुसार होता है । चावल, गेहूँ, जौ, आलू, मक्का, सब्जियाँ यहाँ प्रमुख रूप से उपजाई जाती है ।

क्या आप जानते हैं–

स्थानान्तरण कृषि क्या है ? इस सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित कीजिए ।

जनसंख्या— भूटान की जनसंख्या 23.28 लाख (2007) है। भूटान का औसत जनघनत्व 42 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि० मी० है। 2005 ई० में जनसंख्या का वार्षिक वृद्धि दर 1.9% हैं। नगरीय जनसंख्या 11% तथा साक्षरता दर 42% है। यहाँ के लोग आर्थिक रूप से पिछड़े होने के कारण निर्धन हैं। **थिम्फू** तथा **पुनाखा** भूटान के प्रमुख नगर हैं। 2008 के मानव विकास सूचकांक में भूटान का स्थान 133 वाँ है।

उद्योग धंधे— औद्योगिक दृष्टि से भूटान बहुत पिछड़ा देश है। विषम धरातल, कठोर जलवायु तथा परिवहन के साधनों की कमी के कारण यहाँ संसाधनों के विकास में भारी कठिनाइयाँ हैं। लघु तथा कुटीर उद्योगों का विकास यहाँ हुआ है। यहाँ प्लाइवुड, पैकिंग, डिस्टिलरी, रेजिन व तारपीन के तेल के उद्योग स्थापित हैं। यहाँ पर्यटन उद्योग का विकास तेजी से हो रहा है।

उद्योग धंधों का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव— भूटान की भौगोलिक स्थिति एवं भौतिक संरचना ऐसी है जिसके कारण यहाँ यातायात के सभी साधनों का विकास नहीं हो पाया है। इसके अतिरिक्त यहाँ खनिजों का भी अभाव है। कुछ खनिज मिलते भी हैं तो उसके लिए अन्य मिश्रण के संसाधन की उपलब्धता नहीं है। यही कारण है कि यहाँ बड़े उद्योगों का पूर्णत: अभाव है। कुटीर उद्योग एवं लघु उद्योग के रूप में केवल पशुपालन आधारित और कृषि पर आधारित उद्योगों का कुछ हद तक विकास हुआ है। इसके पश्चात् पर्यटन उद्योग यहाँ की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। आर्थिक विकास के लिए यह मूलत: भारत पर निर्भर करता है। हाल के वर्षों में भारत की मदद से जल विद्युत के कई केन्द्र विकसित हुए हैं। इन केन्द्रों से भारत को भी विद्युत की आपूर्त्ति होती है ।

अभ्यास प्रश्न

I. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(i) भूटान की राजधानी कहाँ है ?

(क) काठमांडू (ख) ढाका

(ग) थिम्फू (घ) यंगून

(ii) भूटान हिमालय की सर्वाधिक ऊँचाई है ?

(क) 8848 मीटर (ख) 7554 मीटर

(ग) 7115 मीटर (घ) 8850 मीटर

(iii) भूटान में औसत वार्षिक वर्षा होती है ?

(क) 350 सें० मी० (ख) 300 सें० मी०

(ग) 250 सें० मी० (घ) 380 सें० मी०

© BSTBPC

(iv) भूटान के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर वनों का विस्तार है ?

(क) 20% (ख) 50%

(ग) 70% (घ) 21%

(v) भूटान की साक्षरता दर कितना प्रतिशत है ?

(क) 30% (ख) 40%

(ग) 42% (घ) 50%

II. लघु उत्तरीय प्रश्न—

1. भूटान के धरातल का विवरण दीजिए।
2. भूटान के आर्थिक संसाधनों का संक्षेप में वर्णन करें।

III. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न—

1. भूटान का संक्षिप्त परिचय लिखें।
2. भूटान की जलवायु विशेषताओं की व्याख्या करें।
3. भूटान की कृषि विशेषता तथा औद्योगिक विकास का वर्णन करें।

IV. परियोजना कार्य—

1. भूटान का अक्षांशीय एवं देशान्तरीय विस्तार ज्ञात कीजिए।
2. विश्व मानचित्र पर भूटान की स्थिति को दर्शायें।
3. ग्लोब पर भूटान की स्थिति को स्पष्ट करें।

© BSTBPC WEB COPY : NOT TO BE PUBLISHED

(स) बंगलादेश
(BANGLADESH)

परिचय

1947 ई० में भारत-विभाजन के फलस्वरूप बंगलादेश 'पूर्वी पाकिस्तान' के रूप में पाकिस्तान का एक अंग घोषित किया गया। लेकिन 17 दिसम्बर, 1971 ई० को बंगलादेश के नाम से यह एक सार्वभौम स्वतंत्र देश घोषित हुआ। इसकी सीमा पश्चिम, उत्तर और पूर्व की ओर भारत की सीमा से सटी हुई है। जिसकी लम्बाई करीब 4,096 किलोमीटर है। इसके पूर्व में म्यांमार (बर्मा) तथा दक्षिण में बंगाल की खाड़ी स्थित है। उत्तर में भारत के असम तथा मेघालय, पूर्व में त्रिपुरा तथा मिजोरम एवं पश्चिम बंगाल राज्य स्थित हैं। बंगलादेश के कुल क्षेत्रफल 148, 393 वर्ग किलोमीटर है। यह देश 20° उत्तरी अंक्षाश से 97° उत्तरी अक्षांश तथा 85° पूर्वी देशान्तर से 93° पूर्वी देशान्तर तक फैला हुआ है।

जनसंख्या के दृष्टिकोण से बंगलादेश एशिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा राष्ट्र है। बंगलादेश की जनसंख्या करीब 15 करोड़ (2006) है। यहाँ 880 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व है। देश की 98 प्रतिशत जनसंख्या बंगाली समुदाय की है। शेष लोग जनजातीय हैं। लगभग 83 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमानों की है।

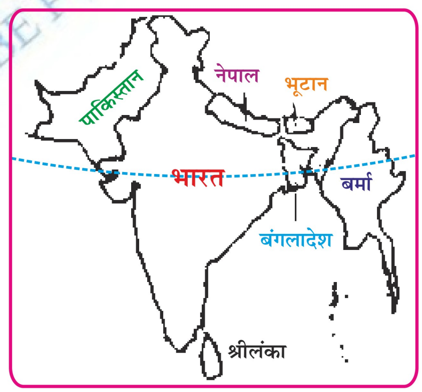

चित्र 7.3 बंगलादेश

© BSTBPC NEVER COPY NOT TO BE PUBLISHED

संरचना एवं स्थलाकृति— बंगलादेश डेल्टाई प्रदेश है जो विश्व के सबसे बड़े डेल्टा अर्थात् गंगा-ब्रह्मपुत्र, डेल्टा के मध्य स्थित है। इस मैदानी देश के अधिकतर भाग की ऊँचाई समुद्र तल से 25 मीटर से भी कम है। डेल्टा क्षेत्र में इन नदियों की ढाल बहुत कम है जिसके कारण आस-पास के भागों में पानी भर जाता है। मैदान प्रतिवर्ष नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी की परतों से बने हैं। जिसके परिणामस्वरूप भूमि अत्यंत उर्वर है। तटवर्ती क्षेत्र दलदली क्षेत्र है। डेल्टा क्षेत्र में तट के पास नदियों द्वारा जमा की गई मिट्टी के कारण अनेक छोटे-छोटे टापू बन गए

> **क्या आप जानते हैं ?**
> विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा कौन है और कहाँ है?

हैं। बंगलादेश के पूर्वी तट पर स्थित कॉक्स बाजार विश्व का सबसे बड़ा बालुई 'बीच' है।

बंगलादेश को नौ भू-आकृतिक प्रदेशों में बाँटा जा सकता है— (i) चटगाँव तथा सिलहट की पहाड़ियाँ, (ii) प्राचीन जलोढ़ वेदिकायें, (iii) टिपरा धरातल, (iv) रेतीला जलोढ़ पंख प्रदेश, (v) मोरीबन्द डेल्टा, (vi) स्थिर डेल्टा, (vii) दलदली गर्त, (viii) गुम्फित नदीय "ज्वार भूमि" (ix) ज्वारीय डेल्टा।

पर्वतीय क्षेत्र में सिर्फ पूर्वी तथा दक्षिणी-पूर्वी भाग आते हैं। चटगाँव तथा सिलहट क्षेत्र में कम ऊँचाई के श्रृंखलाओं का विस्तार पाया जाता है। ये पहाड़ियाँ समुद्रतल से औसतन 200 से 300 मी० की ऊँचाई वाली हैं। इन पहाड़ियों के मध्य पर्वतीय दर्रे हैं।

जलप्रवाह— बंगलादेश में नदियों का जाल बिछा है। ये नदियाँ एक ओर परिवहन में मदद करती हैं तो दूसरी ओर बाढ़ से तबाही भी लाती हैं। यहाँ के जन-जीवन पर नदियों की गहरी छाप पड़ी है। इसलिए ये नदियाँ बंगलादेश के लिए जीवन रेखा की भांति हैं।

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

बंगलादेश में बहने वाली प्राय: सभी नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं। यहाँ की मुख्य नदियाँ गंगा, पद्मा, मेघना, सूरमा, ब्रह्मपुत्र इत्यादि हैं। गंगा, मेघना तथा ब्रह्मपुत्र में प्राय: बाढ़ आया करती है। ब्रह्मपुत्र को बंगलादेश में **'जमुना'** कहा जाता है। गंगा और ब्रह्मपुत्र की संयुक्त धारा को **पद्मा** कहते हैं। निक्षेपण कार्य की अधिकता और मन्द ढाल के कारण नदियाँ अक्सर अपनी दिशाएँ बदल लेती है।

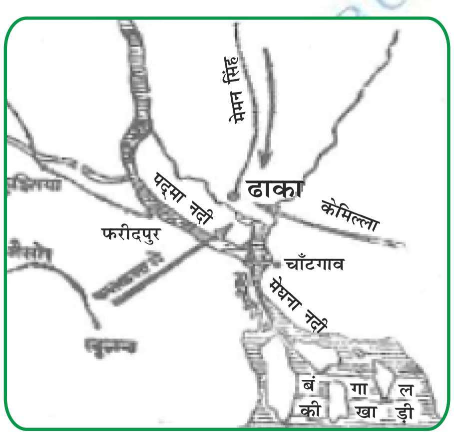

चित्र 7.4 बंगलादेश - नदियाँ

जलवायु विशेषताएँ— बंगलादेश की जलवायु मॉनसूनी है। यहाँ जाड़े में साधारण ठंडा मौसम होता है तथा औसत तापमान 18.5° सें.मी. रहता है। गर्मी में बहुत गर्मी पड़ती है । गर्मी ऋतु का औसत तापमान 38° सें.मी. रहता है। हिमालय पर्वतीय शिखरों के उत्तर में स्थित होने के कारण यहाँ जलवायु सम रहती है।

बंगलादेश में वर्षा अधिक होती है। वर्षा का वार्षिक औसत 200 से 500 सेंटीमीटर तक है। वर्षा बंगाल की खाड़ी से आनेवाली द०प०

मॉनसून पवनों से होती है। अक्टूबर से दिसंबर तक दक्षिणी भाग चक्रवातों की चपेट में रहने के कारण मौसमी अनिश्चितता बनी रहती है। उन दिनों ज्वारीय लहरें तटीय भाग से होकर भीतर प्रवेश कर जाती हैं और जानमाल की अपार क्षति पहुँचाती है। इन तुफानों को **'काल-वैशाखी'** भी कहते हैं। वर्षा का औसत प्रत्येक स्थान पर बराबर नहीं है। सबसे अधिक वर्षा पूर्वी भाग में होती है।

> **क्या आप जानते हैं ?**
> ब्रह्मपुत्र नदी को बंगलादेश में किस नाम से जाना जाता है ?

मृदा एवं वनस्पति— बंगलादेश मुख्यतया मैदानी देश है जहाँ प्रति वर्ष बाढ़ के बाद नई मिट्टी की परत बिछती रहती है। जिसके कारण इसके एक बड़े भाग पर ऊपजाऊ **दोमट मिट्टी** मिलती है जो इसका सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है। बंगलादेश के कुल क्षेत्र के 6.7% भाग पर वन पाये जाते हैं। वर्षा की अधिकता के कारण वृक्षों की वृद्धि तेजी से होती है। चटगाँव और सिलहट के पर्वतीय भागों में सदाबहार वन पाये जाते हैं। इन सदाबहार वनों में बाँस की प्रधानता है। दक्षिणी डेल्टाई प्रदेश में दलदली वन मिलते हैं जिसमें सुन्दरी वृक्षों की प्रधानता है । इन वनों को 'सुन्दरवन' भी कहते हैं। इसी वन में विश्वप्रसिद्ध बंगाल टाइगर पाये जाते हैं । मैदानी भागों में कहीं-कहीं घास भी पाई जाती है।

कृषि— बंगलादेश का अर्थतन्त्र कृषि पर टिका है। देश की 80% जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है। कृषि का सकल घरेलु उत्पाद (G.D.P) में लगभग एक-तिहाई योगदान है। देश के लगभग 63% भूमि पर कृषि कार्य किया जाता है। यहाँ फसलोत्पादन, पशुपालन, मछली पकड़ना तथा वानिकी प्रमुख आर्थिक क्रिया है । समस्त रोजगार का 81% विदेशी व्यापार से प्राप्त आय का 80% तथा राष्ट्रीय उत्पाद का 50% से अधिक कृषि से ही प्राप्त होता है। देश की 82% कृषि भूमि पर चावल, 6% पर जूट, 4% पर गेहूँ तथा अन्य 10% पर सब्जी, फल व नकदी फसलें बोयी जाती है। यहाँ धान की तीन फसलें अमन (67%), औस (25%) तथा बोरो (3.5%) भूमि पर होती है। यहाँ विश्व का 6% से अधिक कच्चा जूट उगाया जाता है। देश का 7% जूट मैमन सिंह जिले में पैदा होता है। चाय-सिलहट तथा चटगाँव की पहाड़ियों के ढलानों पर पैदा होती है। गन्ना, तम्बाकू तथा

ज्ञात कीजिए ?

(अ) सुन्दरी वृक्ष कहाँ पाया जाता है ?

(ब) मैंग्रोव वन से तुम क्या समझते हो ?

गेहूँ अन्य फसलें हैं। पशुपालन व्यवसाय कृषि के पूरक के रूप में प्रचलित हैं। प्रायः प्रत्येक परिवार अपने उपभोग के लिए मुर्गी या बत्तख, माँस के लिए तथा दूध व ईंधन के लिए मवेशी पालता है। भेड़ व बकरियाँ भी पाली जाती हैं।

बंगलादेश में आन्तरिक जलाशयों की संख्या अधिक होने के कारण स्वच्छ जल मछली पालन विकसित है। सागरीय मछली संसाधन भी प्रचुर है। यहाँ मैंग्रोव वन अधिक पाये जाते हैं। सुन्दरी वृक्ष की लकड़ी रेल स्लीपर, ईंधन, लुग्दी व औद्योगिक कार्यों के लिए प्रयुक्त होती है। बाँस भी उपयोगी वृक्ष है।

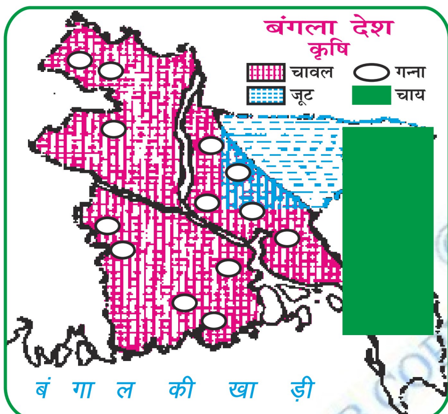

चित्र 7.5 बंगलादेश - कृषि

खनन एवं उद्योग का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव— बंगलादेश खनिज संसाधन के दृष्टिकोण से निर्धन है। यहाँ पर खनिज भण्डारों की कमी है। इस देश में मिलने वाले प्रमुख खनिज कोयला, चूना-पत्थर, नमक, काँच की बालू, लोहा तथा प्राकृतिक गैस हैं। जमालपुर तथा फरीदपुर क्षेत्र में कोयला मिलता है लेकिन उच्च किस्म का नहीं है। प्राकृतिक गैस सिलहट, तिपरा तथा रसीदपुर क्षेत्र से प्राप्त की जाती है। तितास में प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है जो पाईप लाईन द्वारा ढाका भेजी जाती है। चटगाँव में तेल शोधन का एक प्रमुख कारखाना है।

© BSTBPC WEB COPY :NOT TO BE REPUBLISHED

बंगलादेश में आधुनिक उद्योग-धन्धों का अधिक विकास नहीं के बराबर हुआ है। इसलिए यहाँ की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। राष्ट्रीय उत्पाद का केवल 10% उद्योगों से प्राप्त होता है तथा 10% से कम आबादी औद्योगिक कार्यों में लगी है। बंगलादेश के प्रमुख उद्योग कृषि पर आधारित हैं। मुख्यतः जूट, सूतीवस्त्र, कागज, चीनी और मछली उद्योग का विकास हुआ है। संसार का 50 प्रतिशत जूट और जूट का समान बंगलादेश से निर्यात होता है। इसके अतिरिक्त सीमेन्ट, काँच, उर्वरक, इस्पात, पेट्रोल-शोधन तथा

जलयान निर्माण के एकाधिक कारखाने ही हैं। छोटे इन्जीनियरिंग, धातु, रसायन, विद्युत उपकरण, परिवहन सम्बन्धी उद्योग विदेशों से आयातित कच्चे माल पर निर्भर है।

बंगलादेश जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें खाद्यान्न, तेल, कपड़ा, कोयला, लोहा इस्पात के सामान और मोटरगाड़ियाँ प्रमुख हैं। इसके प्रमुख निर्यात की जानेवाली वस्तुएँ हैं- जूट और जूट से बने सामान, मछली, खाल, जड़ी-बूटियाँ, विद्युत उपकरण एवं इन्जीनियरिंग के सामान हैं। ढाका, चाँदपुर, वारीलाल और खुलना आन्तरिक नदी बन्दरगाह है।

अभ्यास प्रश्न

I. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(i) बंगलादेश का पूर्व का नाम क्या था ?

(क) पूर्वी पाकिस्तान (ख) पूर्वी बंगाल

(ग) पाकिस्तान (घ) मुजीबनगर

(ii) भारत के साथ बंगलादेश की स्थलीय सीमा कितनी लम्बी है ?

(क) 4018 कि०मी० (ख) 4096 कि०मी०

(ग) 4180 कि०मी० (घ) 4009 कि०मी०

(iii) बंगलादेश कब स्वतंत्र हुआ ?

(क) 17 दिसम्बर, 1970 (ख) 18 अक्टूबर, 1971

(ग) 17 दिसम्बर, 1971 (घ) 18 मार्च, 1981

(iv) बंगलादेश एशिया महाद्वीप के किस भाग में हैं ?

(क) पश्चिमी भाग (ख) दक्षिणी भाग

(ग) उत्तरी भाग (घ) पूर्वी भाग

(v) ब्रह्मपुत्र नदी को बंगलादेश में किस नाम से जाना जाता है ?

(क) मेघना (ख) जमुना

(ग) सूरमा (घ) कर्णफूली

WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

II. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. ढाका नगर की स्थिति एवं महत्त्व पर प्रकाश डालें ।
2. बंगलादेश के धरातल का विवरण दीजिए ।
3. बंगलादेश के आर्थिक संसाधनों का संक्षेप में वर्णन करें ।

III. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. बंगलादेश का भौगोलिक वर्णन विस्तार से करें ।
2. बंगलादेश की कृषि का आर्थिक महत्त्व बताते हुए प्रमुख व्यापारिक फसलों का वर्णन करें ।

IV. मानचित्र कार्य

1. बंगलादेश के मानचित्र पर प्रमुख नदियों एवं नगरों को प्रदर्शित करें ।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

(द) श्रीलंका

(SRI LANKA)

परिचय

श्रीलंका, एशिया महाद्वीप में भारत के दक्षिण में स्थित हिन्द महासागर का एक बड़ा द्वीप है। 'सिंहल' जाति की बहुलता के कारण इस द्वीप को **'सिंहल द्वीप'** का भी नाम दिया गया है। अंग्रेजों ने सिंहल द्वीप को सीलोन नाम से प्रचलित किया। हीरे-मोती, जवाहरात एवं अन्य रत्नों के भंडार होने के कारण इसे **'मोतियों के द्वीप'** के नाम से भी विभूषित किया गया है। अंग्रेजों ने इस द्वीप को 1802 ई० में ब्रिटिश साम्राज्य का उपनिवेश बना लिया था। भारत के स्वतंत्रता के पश्चात् 4 जनवरी 1948 ई० को श्रीलंका भी उपनिवेशमुक्त होकर एक स्वतंत्र देश बन गया। 1956 ई० से इस देश में लोकतांत्रिक शासन की स्थापना की गयी है।

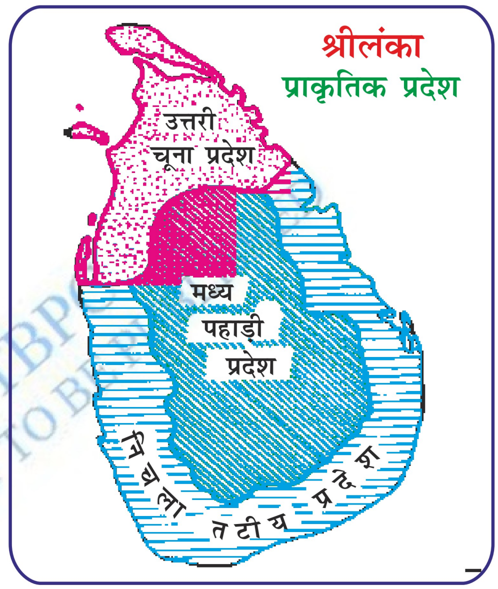

चित्र 7.6 श्रीलंका प्राकृतिक

भारत से यह देश लगभग 52 कि.मी. की दूरी पर अवस्थित है। इसका आकार अंडाकार या बंदमुट्ठी के समान है। 66 हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल में फैला यह देश **'पाक-जलसंधि'** द्वारा भारत से अलग होता है। यहाँ अनेक प्रवाल द्वीप पाये जाते हैं, जिसे **'आदम पुल'** के नाम से भी जाना जाता है।

यहाँ की जनसंख्या 1.91 करोड़ (2005) है। जनसंख्या का औसत घनत्व 250 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है। इनकी भाषा सिंहली है। यहाँ 70 प्रतिशत आबादी बौद्ध धर्मावलम्बी है। इसके अतिरिक्त हिन्दू, मुस्लिम और ईसाई धर्मावलम्बी पर्याप्त संख्या में रहते हैं। उत्तरी श्रीलंका में तमिलों की संख्या अधिक है। कोलम्बो देश की राजधानी है तथा सबसे बड़ा नगर है।

श्रीलंका हिन्द महासागर के शीर्ष पर स्थित एक ऐसा देश है जो हिन्द महासागर के

समुद्री मार्ग से गुजरने वाले सभी जहाजों को औपनिवेशिक काल से ईंधन देता रहा है। यह देश भू-सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

संरचना एवं स्थलाकृति

यह द्वीप प्रायद्वीपीय भारत की तरह गोंडवाना (प्री केम्ब्रियन) चट्टानों से निर्मित है। श्रीलंका का मैदानी विस्तार तटीय क्षेत्रों में है। इनके नीचे कठोर चट्टानों के स्तर पाये जाते हैं। उत्तरी भाग में जाफना का मैदान है, जहाँ चूना की प्रधानता है। यह 100 मी० से अधिक ऊँचा नहीं है। मध्यवर्ती भाग पठारी है, जिसके चारों ओर तटवर्ती मैदानी प्रदेश फैले हुए हैं। यहाँ सबसे ऊँची चोटी पिदुरता लगानला है, जिसकी ऊँचाई 2527 मी. है। चित्र 7.6 से धराकृति का अवलोकन किया जा सकता है। अन्य शिखरों में रमपद, बुद्धपद, आदम, प्रमुख हैं।

जलवायु की विशेषताएँ

श्रीलंका की जलवायु मॉनसूनी है। विषुवत रेखा के नजदीक होने के कारण यहाँ साल भर गर्मी पड़ती है और वर्षा भी होती रहती है। जाड़े की ऋतु यहाँ नहीं होती है। यहाँ तटीय भाग में वर्षा 200सें.मी. तक और पर्वतीय क्षेत्रों में 500 सें.मी. से भी अधिक वर्षा होती है। यहाँ जाड़े एवं गर्मी की ऋतुओं में वार्षिक तापान्तर (5° सें.-7० सें.) नहीं के बराबर होता है। जाड़े की ऋतु में औसत तापमान 22० सें. रहता है। पर्वतीय भाग में तापमान 20० सें. रहता है।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

क्या आप जानते हैं

विषुवत रेखीय वनस्पति काफी लंबे होते हैं। ये सूर्य की रोशनी पाने की होड़ में एक-दूसरे से लंबे होते चले जाते हैं।

ज्ञात कीजिए-

एटलस की सहायता से उन एशियाई देशों को जो विषुवत् रेखा के समीप हैं।

जल प्रवाह :

यहाँ की प्रमुख नदियों में महावली गंगा, पान और अरूबी हैं, जो मध्यवर्ती

उच्चभूमि से निकलकर तटवर्ती क्षेत्रों से बहती हुई समुद्र में गिरती है। रमपद और बुद्धपद जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में दियालुमा, लक्सपाना और पेरावाला सुन्दर जलप्रपात भी हैं ।

मृदा एवं वनस्पति :

यहाँ उत्तरी मैदान में चूना प्रधान मिट्टी पायी जाती है। सामान्यत: नदियों द्वारा निर्मित जलोढ़ मैदान में लैटेराइट मिट्टी पायी जाती है।

यहाँ वनों में रबर, सिनकोना, गटापार्चा और चेरू की लकड़ियाँ मिलती हैं। करीब 30 प्रतिशत भूमि पर वन पाये जाते हैं। मध्यवर्ती पठारी भाग में सघन वन पाये जाते हैं। यहाँ मुख्यत: विषुवतीय वनस्पति पायी जाती है।

कृषि

यहाँ की कृषि खाद्यान्न कृषि से कहीं अधिक व्यावसायिक कृषि के रूप में प्रसिद्ध है। चाय, कालीमिर्च, दालचीनी, कहवा, तंबाकू, केला, अनानास, पान, सुपारी, गन्ना, कोको एवं काजू जैसे महत्वपूर्ण व्यवसायिक फसलों को उगाया जाता है। मैदानी क्षेत्रों में चावल तथा तटीय क्षेत्र में नारियल की कृषि मुख्य रूप से होती है। देश के अन्दर नदियों–तालाबों में मछली पालन का कार्य जोरों पर है। चारों तरफ से जल से घिरे होने के कारण मछली उत्पादन एक औद्योगिक रूप ले चुका है तथा यहाँ की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग बन चुका है।

© JAS TBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

खनन एवं उद्योग का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

यहाँ खनिज के नाम पर ग्रेफाइट, मोनाजाइट, अबरख एवं लौह–अयस्क मिलते हैं। नीलम, रक्तमणि, पुखराज जैसे रत्न की प्रचुरता है। यहाँ समुद्र से मोती निकालने का भी व्यवसाय प्रचलित है। इस द्वीप को इस कारण **'पूर्व का मोती'** (Pearl of the East) भी कहा जाता है।

उद्योगों का आधार कृषि एवं खनिज दोनों होते हैं। यहाँ खनिज आधारित उद्योग को स्थापित करने के लिए सभी सुलभ साधन उपलब्ध नहीं है। तथापि कुछ खनिज आधारित उद्योग लगाये गये हैं। जाफना के मैदान में चूना पत्थर की उपलब्धता को देखते हुए सीमेंट उद्योग लगाये गये हैं। लेकिन शक्ति संसाधन के अभाव के कारण बड़े उद्योग बहुत कम लगाये गये हैं।

कृषि आधारित उद्योग ही यहाँ की अर्थव्यवस्था का आधार है। यहाँ चाय, खाद्य-संस्करण उद्योग जैसे-चीनी उद्योग, रबर उद्योग, मछली उद्योग तथा मसाला उद्योग का विकास हुआ है। ये उद्योग मुख्यत: लघु एवं कुटीर उद्योग के रूप में ही विकसित हो पाये हैं।

यहाँ की अधिकांश आबादी कृषि कार्य से लेकर कृषि आधारित उद्योगों में संलग्न है। यहाँ नारियल से गिरियक तेल, रस्सियाँ, चटाई एवं कालीन बनाये जाते हैं। श्रीलंका विश्व का सबसे बड़ा चाय निर्यातक देश है। खनिज तेल, मशीनी सामान, चीनी, नमक, सीमेन्ट आदि ऐसे महत्वपूर्ण सामग्री हैं जिसे ये आयात करते हैं।

यहाँ के प्रमुख बन्दरगाहों में **त्रिकोंमाली** एवं **कोलंबो** है। त्रिकोंमाली में एक नौ-सैनिक अड्डा भी है। उत्तर में जाफना उसके बड़े नगरों में से एक है। इसके अतिरिक्त रत्नपुर, अनुराधापुर तथा गाल भी प्रमुख नगर हैं।

श्रीलंका की अर्थव्यवस्था बहुत हद् तक खनन, कृषि आधारित उद्योग, पर्यटन उद्योग एवं मत्स्य व्यवसाय पर आधारित है। यहाँ लघु उद्योगों के विकास की असीम संभावनायें हैं, हाल के वर्षों में तमिलों द्वारा चलाये जा रहे हिंसक आन्दोलन का प्रतिकूल प्रभाव इसके विकास पर पड़ा है। फिर भी, एशियाई देशों में यह तेजी से विकसित हो रहा देश है।

अभ्यास प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. श्रीलंका की आकृति कैसी है ?

(क) आयताकार (ख) अंडाकार (ग) त्रिभुजाकार (घ) वृत्ताकार

2. पिदुरतालगाला श्रीलंका का एक प्रमुख स्थलाकृति है-

(क) नदी (ख) झील (ग) शिखर (घ) गर्त

3. श्रीलंका की राजधानी है-

(क) कैंडी (ख) कोलंबो (ग) जाफना (घ) अनुराधानगर

4. भारत से श्रीलंका को अलग करता है-

(क) पाक जलसंधि (ख) श्रीलंका जलसंधि

© BSTBPC

(ग) हरमुज जलसंधि (घ) इनमें से कोई नहीं।

5. श्रीलंका में लोकतंत्र की स्थापना कब हुई ?

(क) 1948 में (ख) 1949 में (ग) 1955 में (घ) 1956 में।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. श्रीलंका की जलवायु किस प्रकार की है ?
2. 'पूर्व की मोती' श्रीलंका को क्यों कहते हैं ?
3. श्रीलंका में किस प्रकार की वनस्पति पायी जाती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. श्रीलंका की जलवायु का वर्णन कीजिए।
2. श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी लिखें।

मानचित्र कार्य

4. श्रीलंका के मानचित्र पर एटलस की सहायता से महत्वपूर्ण नगरों को दिखायें।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

(य) पाकिस्तान

(PAKISTAN)

परिचय

चित्र 7.7 पाकिस्तान की स्थिति

पाकिस्तान हमारा एक स्थलीय पड़ोसी देश है। निकटतम पड़ोसी देशों में यह क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा है। आज से कुछ दशक पूर्व यह भारत का ही अंग था। 14 अगस्त, 1947 ई० को भारत से विभाजित होकर एक पृथक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। इसके दो अंग थे जो पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान कहलाता थे, किन्तु 1971 ई० में इसका पूर्वी अंग अलग होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया है। अब केवल पश्चिमी पाकिस्तान ही पाकिस्तान कहलाता है। यह भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में अफगानिस्तान, पश्चिम में ईरान और दक्षिण में अरब सागर स्थित है।

पाकिस्तान का भौगोलिक विस्तार 23° 30' उत्तरी अक्षांश से लेकर 36° 45' उत्तरी अक्षांश तक है तथा 61° पूर्वी देशांतर से लेकर 76° पूर्वी देशांतर तक है। कुल क्षेत्रफल 8,03,943 वर्ग किलोमीटर है, यहाँ की राष्ट्रीय भाषा उर्दू है। इसके अतिरिक्त पंजाबी, सिंधी, पश्तो और बलोची भी बोली जाती हैं। सिंध, बलुचिस्तान पंजाब, उत्तरी-पश्चिमी सीमा प्रान्तों के अतिरिक्त अन्य छोटी-छोटी दस रियासतों में प्रशासनिक दृष्टिकोण से बटा हुआ पाकिस्तान एक संघीय राज्य है।

जनसंख्या एवं नगर

यहाँ की जनसंख्या 15.5 करोड़ (2005 मानव विकास UNO-2008) से अधिक है और प्रति वर्ग किलोमीटर 150 लोग निवास करते हैं। यहाँ मुख्य रूप से इस्लाम धर्म के अनुयायी हैं। पाकिस्तान के प्रमुख नगर इस्लामाबाद, रावलपिण्डी, कराची, लाहौर और

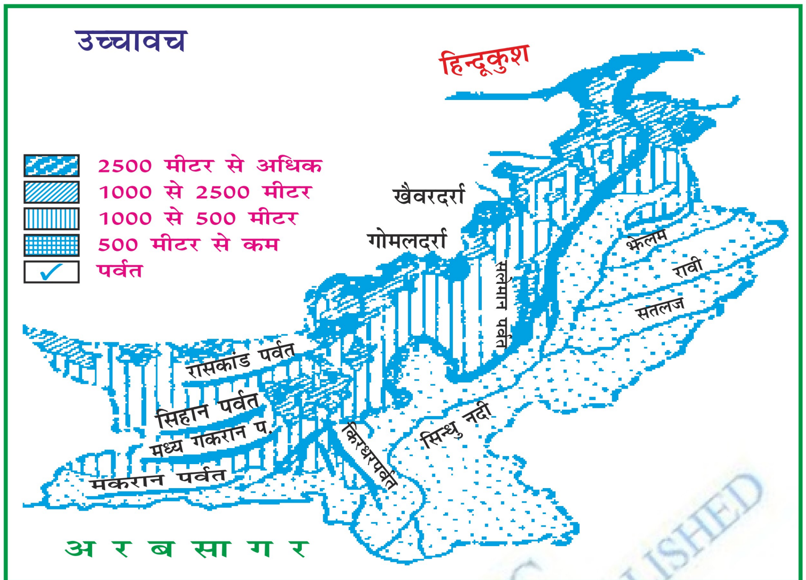

चित्र 7.8 पाकिस्तान के उच्चावच

हैदराबाद है। इस्लामाबाद यहाँ की राजधानी है। यहीं से कुछ दूरी पर प्रसिद्ध नगर रावलपिण्डी भी है। कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा नगर है। लाहौर पाकिस्तान का दूसरा प्रसिद्ध नगर है।

स्थलाकृति- पाकिस्तान की प्राकृतिक बनावट असम है। यहाँ ऊँचे-ऊँचे पर्वत भी हैं और पठारी भाग भी, समतल उपजाऊ मैदान का फैलाव है तो रेतों से भरा मरुथलीय मैदान भी देखे जा सकते हैं। दक्षिण में समुद्र तटीय मैदान का भी विस्तार है। इसका उत्तरी-पश्चिमी भाग सबसे ऊँचा क्षेत्र है। जहाँ ऊँचाई 3000 मीटर से भी अधिक है। यहीं से पर्वत श्रेणियों की एक शृंखला घुमावदार रूप से बिल्कुल दक्षिण तक विस्तृत है जो वास्तव में हिमालय का ही पश्चिमी और दक्षिणी विस्तार हैं। ये श्रेणियाँ यहाँ उत्तर से दक्षिण क्रमशः हिन्दूकुश, सुलेमान एवं किरथर के नाम से प्रसिद्ध हैं। तख्त सुलेमान यहाँ की सबसे प्रसिद्ध चोटी है जिसकी ऊँचाई 3,770 मीटर है और यह पश्चिमी सीमांत क्षेत्र में पड़ता है। इन पर्वत श्रेणियों में कई दर्रे बने हुए हैं, इनमें खैबर, बोलन और गोमल प्रमुख हैं। यहाँ का दक्षिण-पश्चिम भाग पठारी है, जो बलूचिस्तान के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ की औसत ऊँचाई 300 से 1000 मीटर है, यह एक शुष्क प्रदेश है, जिसमें कई कटी-छटी घाटियाँ और खारे पानी के झील है इसके उत्तरी-पूर्वी भाग में पोतवार पठार है।

पाकिस्तान के दक्षिणी–पूर्वी सीमा पर मरुस्थलीय क्षेत्र है। यहाँ कई रेत के टीले स्थित हैं। इसकी संरचना थार मरुभूमि से मिलती–जुलती है। इस मरुस्थलीय भाग के दक्षिण–पश्चिम में सिन्धु नदी का मैदान है, इस मैदान का निर्माण सिंधु बेसीन (द्रोणी) में सिंधु और उसकी सहायक नदियां के द्वारा लायी गयी अवसादों के निक्षेपण से हुआ है। यहाँ प्रत्येक वर्ष नई जलोढ़ मिट्टी का निक्षेप होता है। यह क्षेत्र काफी उपजाऊ है। इस भाग की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 150 मीटर है। यहाँ दक्षिणी भाग में डेल्टा का मैदान समुद्र तटीय मैदान भी फैले हैं।

© BSTBPC

जलवायु

यहाँ की जलवायु मॉनसूनी एवं उष्ण मरुस्थलीय है। यहाँ गर्मी में बेहद गर्मी और जाड़े में कड़ाके की सर्दी पड़ती है। जाड़े के मौसम में औसत तापमान 7° सें. से कम रहता है और उत्तर के पर्वतीय भाग में बर्फ जम जाता है। गर्मी ऋतु में तापमान 45° सें. तक पहुँच जाता है। इस समय **'जैकोबाबाद'** का तापमान 55० सें. तक पहुँच जाता है, यह पाकिस्तान का ही नहीं वरन् एशिया का सबसे गर्म स्थान है। पूर्वी मरुस्थलीय भाग में धूल भरी आँधियाँ चलती हैं और चारो ओर रेत के टीले भी दिखाई पड़ते हैं।

यहाँ वर्षा का अभाव है, वार्षिक वर्षा का औसत मात्र 35 सेंटीमीटर है। जाड़े में चक्रवातों द्वारा वर्षा होती है और गर्मियों में बंगाल की खाड़ी से आने वाले मॉनसूनी पवनों से होती है। यहाँ वर्षा का वितरण एक समान नहीं है। उत्तर के पर्वतपदीय क्षेत्र में 75 से 80 सेंटीमीटर, पूर्वी मैदान में 35 से 50 सेंटीमीटर, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में 10–25 सेंटीमीटर ही वर्षा होती है।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE REPUBLISHED

यहाँ की मुख्य नदी 'सिंधु' और उसकी सहायक नदियों में झेलम, चिनाव, रावी, सतलज एवं व्यास हैं, इन्हें **'पंचनद'** कहा जाता है, और सिंधु को **'नद'** के नाम से पुकारा जाता है। सिंधु का उदगम हिमालय पार से है जो अपना लम्बा सफर तय करता हुआ अरब सागर में समा जाता है। इसकी सभी सहायक नदियाँ उत्तर–पूर्व (भारत के उत्तर–पश्चिम) से मैदान के मध्यवर्ती भाग में आकर इससे मिलती हैं। सिंधु की सहायक नदियों में काबुल नदी भी है जो अफगानिस्तान होते हुऐ उत्तर–पश्चिम से आकर सिंधु में मिलती है। पाकिस्तान को **'सिंधु की देन'** कहा जाता है । यह सत्य है कि यदि सिंधु पाकिस्तान से अनुपस्थित हो जाए तो पूरा देश पत्थरों और रेगिस्तान का ढेर तुल्य रह जाएगा। यहाँ की

अन्य नदियों में जोब, पश्मेल, टोची तथा चित्राल हैं। यह सभी छोटी नदियाँ हैं और बरसाती है, यद्यपि इनकी धाराएँ तेज होती हैं किन्तु गर्मी में सुख जाती हैं। यहाँ सिंधु एवं अन्य नदियों पर बड़े पैमाने पर बाँधों का निर्माण किया गया है, बाँधों का इस प्रकार का विकास संसार में अन्यत्र कम ही मिलता है, बाँधों के विकास के द्वारा यहाँ नहरों का जाल विकसित हुआ है। यहाँ के प्रमुख बाँधों में मंगला, सक्खर, इस्लाम, बारासाक है । यहाँ की बड़ी नहरों में ऊपरी चिनाब, नीचली चिनाब, ऊपरी झेलम, नीचली झेलम ओर ऊपरी बारी दोआब नहर हैं। सिंधु एवं उसकी सहायक नदियों के द्वारा कई 'दोआबों' का निर्माण हुआ है, इनमें प्रसिद्ध नीचला बारी, रचना, जेच, सिंधु सागर दोआब हैं। सिंधु नदी अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती हैं।

दो नदियों के बीच के भूमि को 'दोआब' कहा जाता है ।

प्राकृतिक स्वरूप एवं जलवायु किसी भी क्षेत्र की मिट्टी एवं वनस्पति को प्रभावित करती है । यहाँ उत्तर-पूर्व में नए एवं पुराने जलोढ़ मिट्टियों का फैलाव है जो काफी उपजाऊ है। उत्तर-पश्चिम और मध्य-पश्चिम में पथरीली मिट्टियाँ पायी जाती हैं। दक्षिण-पूर्व का भाग पठारी और मरुस्थलीय तथा शुष्क क्षेत्र होने के कारण यहाँ की मिट्टी रेतिली और पत्थरीली है। दक्षिण-पूर्व में सिंधु का डेल्टा है, यहाँ नई जलोढ़ मिट्टियाँ मिलती हैं जो काफी उपजाऊ हैं। वर्षा की कमी के कारण यहाँ वनों का विस्तार नाममात्र हैं, यहाँ केवल 3% भाग में वनों का विस्तार है। उत्तरी पर्वत के उच्च भागों में देवदार, चीड़, फर तथा स्प्रूस प्रधान हैं। बलूचिस्तान के पठार पर पाइन तथा ओक के वृक्ष की प्रधानता है। मध्य भाग, नदियों के बेसिन क्षेत्र, में बबूल, शीशम, नीम और आम के वृक्ष पाए जाते हैं। इसी प्रकार पूर्वी मरुस्थलीय भाग में कटीली झाड़ियाँ मिलती हैं। सिंधु के मध्य एवं नीचले भाग में घास के मैदान पाए जाते हैं।

अल्प वर्षा वाला क्षेत्र होते हुए भी पाकिस्तान एक कृषि प्रधान देश है, यहाँ 19% भूमि पर कृषि की जाती है और इस पर यहाँ 72% जनसंख्या आश्रित है। सिंधु एवं उसकी सहायक नदियों का मैदानी भाग अत्यंत उपजाऊ है। इसके अतिरिक्त सिंधु एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा सिंचाई के लिए कई बड़ी-बड़ी नहरों का विकास किया गया है जिसके द्वारा कुल कृषि योग्य भूमि के 63% भूमि पर सिंचाई की जाती है। यहाँ की मुख्य फसल गेहूँ है। यहाँ की लगभग 55% प्रतिशत कृषि योग्य भूमि पर गेहूँ की खेती की जाती

है। अन्य फसलों में चना, मक्का, ज्वार, बाजरा, कपास, तिलहन, गन्ना एवं तम्बाकू हैं। चावल की खेती यहाँ दक्षिण-पूर्वी भाग में बहुत सीमित क्षेत्र में की जाती है। गेहूँ मुख्य रूप से पंजाब के पश्चिमी भाग में पैदा किया जाता है। दूसरे स्थान पर चना है। मकई, ज्वार, बाजरा की खेती सीमित मात्रा में उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ सिंचाई की व्यवस्था समुचित ढंग से नहीं है। नकदी फसलों में कपास और गन्ना प्रमुख है। जोकि क्रमशः 15% एवं 5% कृषि भूमि पर उत्पन्न किया जाता है।

वर्षा की अनिश्चितता एवं कमी को पूरा करने के लिए अनेक बाँधों का निर्माण कर नहरों का जाल फैला दिया है जिसके कारण कृषि का विकास सम्भव हो पाया है।

चित्र 7.9 पाकिस्तान के खनिज संसाधन

खनन एवं उद्योग तथा अर्थव्यवस्था पर प्रभाव- खनिज पदार्थों के दृष्टि से पाकिस्तान एक गरीब देश है। यहाँ मिलने वाले खनिज में कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस, क्रोमाइट, जिप्सम, लोहा, सेंधा नमक, चूना पत्थर, बॉक्साइट एवं गंधक प्रमुख हैं। खनिज तेल का उत्पादन बालाकासार, खैरपुर, अटक, चाकवाल में होता है। रावलपिण्डी, मजराबल, हैदराबाद के कई क्षेत्रों में कोयला खनन किया जाता है। अटक, सरगोधा, जितरल एवं मियाँवाली क्षेत्र से लौह अयस्क प्राप्त किया जाता है। बलूचिस्तान की जोब घाटी में क्रोमियम का भण्डार है। मैंगनीज लासबेला और कोहाट क्षेत्र से प्राप्त किया जाता है। प्राकृतिक गैस का मुख्य क्षेत्र सूई, खैरपुर और लायलपुर है।

उद्योग

यहाँ कृषि एवं रसायन पर आधारित उद्योगों को अधिक विकसित किया गया है। इनमें सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र, चीनी, खेल के सामान, कागज, रासायनिक तथा दियासलाई के उद्योग प्रमुख हैं। खनिज पर आधारित उद्योगों में, सिमेंट, तेलशोधक एवं प्राकृतिक गैस आधारित उद्योग मुख्य हैं । वन आधारित उद्योगों में खेल का सामान तैयार करने के लिए स्यालकोट विश्व प्रसिद्ध है।

मुलतान, कराची, लायलपुर, लाहौर, उकाड़ा सूत एवं सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्र हैं । हरनाई, बन्नू एवं कादियाबाद ऊनी वस्त्र के केन्द्र है। नोशेरा और रहवाली में फाइन पेपर तथा दफ्ती पेपर उद्योग बांस आधारित है। चारसद्दा, मारदान, औहराबाद में चीनी की मिलें स्थापित हैं। मारदान (पेशावर) में एशिया की सबसे बड़ी चीनी मिल है।

कराची, हैदराबाद, दाउदखेल, बाह तथा रोहरी में सिमेंट उद्योग का विकास हुआ है। दाउदखेल में रसायन पदार्थ बनाने का सबसे बड़ा केन्द्र है। इसके अतिरिक्त नोशेरा, लायलपुर, हरिपुर में कॉस्टिक सोडा, गंधक, तेजाब, रासायनिक, डी० डी० टी०, रेजिन, पेनसीलिन और रंग बनाऐ जाते हैं। कराची के मोरगाह में तेल शोधन और सुई में गैस आधारित उद्योग स्थापित हैं । कुहुरा में परमाणु शक्ति उत्पादन केन्द्र स्थापित है।

यहाँ निर्यात की अपेक्षा आयात अधिक होता है। विदेशी व्यापार मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इरान, भारत, कनाडा, चीन और रूस के साथ होता है। यहाँ मशीन, रेल का इंजन, रेल के डिब्बे, जलयान, वायुयान, ट्रैक्टर, लौह अयस्क, कोयला, चाय, कागज, पान, चावल इत्यादि आयात करता है एवं कपास, खाल, चमड़ा, फल, तम्बाकू, कागज, चमड़े के जूते निर्यात करता है। यहाँ से अधिकांशतः ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को सामान निर्यात होता है।

© DSTEPC NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **पाकिस्तान का सबसे बड़ा हवाई अड्डा कहाँ है?**

   (क) इस्लामाबाद (ख) कराची (ग) स्यालकोट (घ) मुल्तान

2. **खेल का सामान बनाने में विश्व प्रसिद्ध है–**

(क) कराची (ख) रावलपिण्डी (ग) स्यालकोट (घ) लाहौर

3. **पाकिस्तान की सबसे प्रसिद्ध चोटी तख्त सुलेमान की ऊँचाई क्या है ?**

(क) 3750 मी० (ख) 3770 मी० (ग) 3700मी० (घ) 4400 मी०

4. **सिंधु नदी बहती है–**

(क) दक्षिण से उत्तर

(ख) पूरब से पश्चिम

(ग) उत्तर से दक्षिण

(घ) इनमें से कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पाकिस्तान को 'सिंधु की देन' क्यों कहा जाता है ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पाकिस्तान की जलवायु की विशेषताओं की व्याख्या करें।
2. पाकिस्तान के खनन् एवं उद्योगों के विकास का वर्णन करें।

मानचित्र कार्य—

पाकिस्तान का रेखा चित्र बनाकर उसके प्रमुख औद्योगिक एवं खनिज केन्द्रों को दर्शायें।

© BSTBPC
© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED